VOLUME-III ISSUE-XV SUBSCRIBE@DITUNIVERSITY.EDU.IN AUGUST 2018

The Editorial Board

DITU 1998-2018

THE CAMPUS SCOOP

DIT UNIVERSITY
IMAGINE ASPIRE ACHIEVE

AN INSIGHT OF MONTHLY HAPPENINGS

A Tribute to Atal Bihari Vajpayee

टूटे हुए सपनों की सुने कौन सिसकी,
अंतर को चीर व्यथा, पलकों पर ठिठकी।
हार नहीं मानूँगा,
रार नहीं ठानूँगा।
काल के कपाल पर, लिखता हूँ, मिटाता हूँ,
गीत नया गाता हूँ, गीत नया गाता हूँ।

एक कुशल कवि, लेखक, पत्रकार, स्वयंसेवक कार्यकर्ता, और मेरे 'राजनीतिक और वक्तव्य आदर्श' 'भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी' जी १६ अगस्त, २०१८ को महाप्रयाण यात्रा पर चल निकले। एक ऐसे नेता, जिनका भाषण और कविताएं शुरू होते ही उन्हें सुनने के लिए सब तरफ अतिविस्मयादी शांति का माहौल बन जाता था।

२५ दिसम्बर, १९२४ को श्रीमती कृष्णा देवी और श्री कृष्ण बिहारी वाजपेयी जी के छटे गर्भ के रूप में ग्वालियर के एक साधारण परिवार में अटल जी का जन्म हुआ। जीवन शिक्षा का फलसफ़ा सरस्वती शिशु मंदिर, विक्टोरिया कॉलेज और बाद में डी॰ए॰वी॰ कॉलेज, कानपुर में आकार थमा। एक काफी रोचक किस्सा उनका और उनके पिताजी का एल॰एल॰बी॰ डिग्री के लिए साथ में दाखिला लेने को है। दोनों पिता-पुत्र कानपुर कॉलेज में एक ही कक्षा के विद्यार्थी रहे, और छात्रावास में भी एक ही कमरा सांझा किया करते थे। हालाँकि, अटल जी एल॰एल॰बी॰ बीच में ही छोड़कर, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पूर्णकालिक रूप से कार्यकर्ता बन गए। १९४२ में 'भारत छोड़ो आंदोलन' के दौरान वह जेल भी गए।

उन पर लिखी गयी एक किताब के माध्यम से पता चलता है कि राजनीतिक और लेखन भावनाओं का उनके अंतःपटल पर जन्म, कॉलेज के दिनों में ही हुआ। उन्होनें लेखक के तौर पर एक हिन्दी मासिक समाचार पत्र 'राष्ट्रधर्म', एक हिन्दी साप्ताहिक पत्रिका 'पांचजन्य', तथा कुछ दैनिक 'स्वदेश' और 'वीर-अर्जुन' में काम किया। यह वही दौर था, जब वो अपनी भावनाओं को शब्दों के रूप में लोगों तक पहुंचाने में भली-भांति सफल हो रहे थे। और लोगों को उनकी लेखनियाँ पसंद भी आने लगी थी।

लेखन और राजनीति, परस्पर उनके जीवन में ५० के दशक में घटित हो रहे थे। ' श्री दीनदयाल उपाध्याय' और 'श्री श्यामा प्रसाद मुखर्जी' के साथ वह 'भारतीय जन संघ' को नेतृत्व देते रहे। और ५७ में पहली बार बलरामपुर से सांसद चुने गए। और उनके राजनीतिक जीवन का सफर सफलतापूर्ण आगे बढ़ा और यहाँ से एक कुशल वक्ता का जीवन भी। तत्कालीन प्रधानमंत्री 'पं॰जवाहरलाल नेहरू' भी उनके भाषणों कि बहुत तारीफ किया करते थे। कई सारे राजनीतिक उतार-चढ़ावों का उन्होनें जीवन भर सामना किया, चाहे वह उनकी चुनावों में हार हो, ७५ में एमरजेंसी के दौरान जेल जाना हो, लोकसभा में पार्टी का सिर्फ दो सदस्यों में सिमट के रेह जाना हो, एक कवि हृदय होने के कारण, हर चीज को वह कलमबद्ध करते रहे।

७७ में 'जनता पार्टी' की सरकार में उन्हें विदेश मंत्री बनाया गया। यू॰एन॰ में दिया गया उनका भाषण, आज भी विश्व पटल पर हिन्दी भाषा का एक बेजोड़ उदाहरण है। फिर कई राजनीतिक ऊहापोशों के बाद ' श्री लालकृष्ण आडवाणी' जी के साथ उन्होनें 'भारतीय जनता पार्टी' की स्थापना की। भाजपा में उन्हें पार्टी का भीष्म पितामह कहा जाता है। ९६, ९८ और ९९ - तीन बार हमारे देश के प्रधानमंत्री रहे श्री अटल, के कार्यकाल में लिए गए सभी फैसले राजनीति से ऊपर रहे। राजधर्म निभाने वाला ऐसा कुशल नेतृत्व शायद ही कभी किसी ने देखा हो।

७५ की इमरजेंसी हो, संसद में अविश्वास प्रस्ताव हो, पोखरण का परमाणु परीक्षण हो, मोटर मार्गों का गोल्डन क्वाड्रीलेटरल हो, ९९ का कारगिल युद्ध हो, आदर्श ग्राम योजना हो, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना हो, लाहौर बस यात्रा हो, हर क्षेत्र में वो मुखर रहे। अपनी काव्य-पारायणता से उन्होनें कई बार देश के लहू को एक नयी स्फूर्ति प्रदान की। ऐसा व्यक्तित्व शायद ही दोबारा कभी पैदा हो। भगवान उनकी पुण्य आत्मा को शांति प्रदान करे।

Shivam Raturi
Civil Engg. 4th Yr

Global Peace Foundation

DIT has always believed in offering a helping hand to the under-privileged people. The smile, and spark that lights up their faces when they feel privileged like the commons is worthwhile. On the occasion of World's Friendship day that is on 5th of August, the team members of GPF- DITU initiated a 'Scrap it up drive' in which students and faculty members could donate clothes for the people in the slums. The GPF team members had also organized several events for entertaining the children and adults in this Drive. The children displayed their caliber and vivid imagination by drawing beautiful paintings in the Art Competition. The GPF members also showcased their talent by singing, dancing and motivating the people in the slums .The gesture and efforts to carry out this 'Drive' was highly appreciated by all. The total contribution for the Drive was as follows: -

Girls hostel: 4310 rupees

Boys hostel: 8400 rupees

DIT looks forward to conduct many more Peace drives like this to create a friendly atmosphere and help the underprivileged children.

- Shreyee Dobhal
CSE 2nd year

INDEPENDENCE DAY

DIT University celebrated India's 72nd Independence Day with much warmth and pride. Chanakya Lawn was brimming with students as the flag was hoisted early that morning under the warm occasional sunrays.
Soon after the flag hoisting got over in the presence of students, faculty and media persons-the blessed crowd moved to the Vedanta Auditorium to witness the cultural programmes put up by the University students. The feeling of patriotism has been deeply imbibed in the youth's mind. The celebrations concluded with the distribution of sweets and well wishes.
Jai Hind !!

Aditi Mishra
ME 2nd Year

INDUCTION PROGRAM 2018

Students usually find it harder to transition from studying in a school to studying in a college. To make the transition easier, DIT University held its first Induction program for the freshers from 3rd August ,2018 to 14th August ,2018. Respected VC, PVC, DAA and DSW introduced the freshers to life, in DITU. Many seminars and motivational talks were organized for the freshers. Hands on workshops organized by clubs like IEEE and SPIE received an extremely positive response from the students. The freshers were also taken for a visit to the Vigyan Dham (Regional science center). A campus to Corporate session was also held by the Career services department to enlighten the freshers on Campus placements and their career choice. They were made to take part in various cultural activities , creative arts and were also encouraged to play sports to induce team spirit, sportsmanship and also bring out any hidden talents. The induction program ended with an alumni interaction session held by Dr. Naveen Singhal sir.

Athiyaman Nallathambi
ECE 3rd Yr

Performance on Independence Day

Induction Program Inauguration

Career counselling program during Induction Week

DIT Idol Competition

Participants of MBA department in Induction Program

Hands on Workshop

Independence Day Flag hosting ceremony

Induction Program Seminar

The Editorial Board(DITU)Creation|Feedback - 2018editorialboard@gmail.com | Editor-in-chief- Dr. Kiran Badoni Mamgain

STUDENT EDITOR : Aishwarya Sharma
DEPUTY STUDENT EDITORS : Ayush Srivastav
DESIGNER : Srijan Sameer | Bhaskar Karnatak| Sukriti Joshi
CREATIVE TEAM : Shivangi Lakhera | Shivani Gupta | Aditya Rawat | Aditi Mishra | Hassaan | Shreyee Dobhal | Satyam Kumar
EDITING TEAM : Samreen Popli | Ankita Kumari
PUBLICITY : Ashutosh Tripathi